विलुप्त भए रहल पशु-पक्षी आ अन्नक संरक्षण लेल एक दिवसीय कार्यशालाक आयोजन

सहरसा:समदिया

बिहार राज्य जैव विविधता परिषद के तत्वावधान मे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा सहरसा में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित कएल गेल। एहि कार्यशाला में पंचायत, प्रखंड आ जिला स्तर पर गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति (बीएमसी) के अध्यक्ष, सचिव आ सदस्य सभ कैं प्रशिक्षण देल गेल,जाहि सँ ओ अपन-अपन क्षेत्र में लोकनि कैं जैव विविधता के सुरक्षित आ संरक्षित रखबाक लेल जागरूक कय सकथि। बिहार राज्य जैव विविधता परिषद के उप निदेशक मिहिर कुमार झा जानकारी देलनि जे वन विभाग द्वारा जैव विविधता प्रबंधन आ संरक्षण के उद्देश्य सँ एहि कार्यशाला के आयोजन कएल गेल अछि। एहि में पंचायत, प्रखंड आ जिला स्तर पर गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सचिव आ सदस्य सभ शामिल भेलाह। पटना सँ आयल जैव विशेषज्ञ सभक

» जैव विविधता प्रबंधन आ संरक्षण वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अत्यंत जरूरी अछि : मिहिर कुमार झा

टीम द्वारा सभ प्रतिभागी सभ कैं प्रशिक्षण देल गेल आ जैव संरक्षण सँ जुड़ल विभिन्न योजनासभ के बारीकी सँ जानकारी देल गेल। उप निदेशक कहलनि जे एहि प्रकारक प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य लोकनि कैं जैव विविधता प्रबंधन आ संरक्षण के महत्व सँ अवगत कराबै छी, जाहि सँ प्रशिक्षित सदस्य सभ अपन क्षेत्र में जा कय लोकनि कैं जैव संरक्षण के प्रति जागरूक करथि। कार्यक्रम मे शामिल जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी सेहो जैव विविधता प्रबंधन आ संरक्षण के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्ता पर प्रकाश डालैत आंकड़ा सभक माध्यम सँ लोकनि कैं जागरूक करबाक प्रयास केलनि। ओ कहलनि जे पहिने गंगा नदी मे मछली के लगभग 160 प्रजाति पायल जाइत छल, जे आब घटि कय लगभग 80 रहि गेल अछि। ओही तरह पहिने पक्षी के अनेक प्रजाति पायल जाइत छल, मुदा आब सहरसा जिला में मात्र करीब 170 प्रजातिक पक्षी पायल जाइत अछि। पशु के सेहो अनेक प्रजाति धीरे-धीरे घटि गेल अछि। ओ आगे कहलनि जे पहिने किसान सभ अनेक प्रकारक फसल उपजैत छलाह, मुदा आब बहुत-सी फसल विलुप्त भय गेल अछि। एहन स्थिति में हम सभक उद्देश्य अछि जे विलुप्त भय रहल प्रजाति आ किस्म सभ कैं कोन तरह सँ बढ़ायल जा सके आ जे बाँचल अछि, ओकर संरक्षण कोन प्रकारे कएल जा सके। एहि उद्देश्य सँ एहन कार्यशाला के आयोजन कएल गेल अछि।